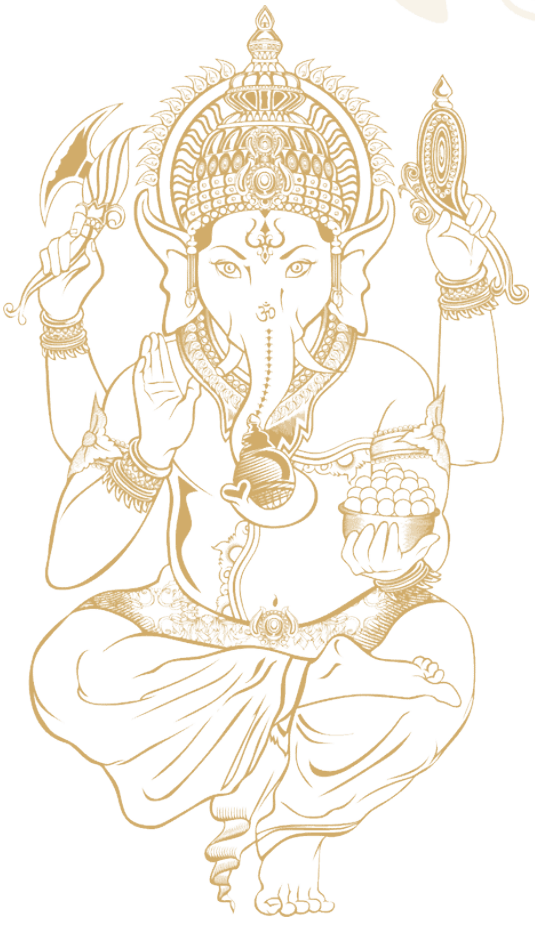

nihil

shilpa

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121427301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121427301 Date: 27/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
5-06/08/2003	जन्म तिथि	4-05/12/2003
मंगल-बुधवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 05:29:00	जन्म समय	07:04:00 घंटे
घटी 59:28:06	जन्म समय(घटी)	59:51:10 घटी
India	देश	India
Hamirpur	स्थान	Bilaspur
31:38:00 उत्तर	अक्षांश	31:18:00 उत्तर
76:36:00 पूर्व	रेखांश	76:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:36	स्थानिक संस्कार	-00:22:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:41:45	सूर्योदय	07:05:59
19:16:57	सूर्यास्त	17:19:39
23:54:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:29

कर्क	लग्न	वृश्चिक
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
तुला	राशि	मेष
शुक्र	राशि-स्वामी	मंगल
विशाखा	नक्षत्र	अश्विनी
गुरु	नक्षत्र स्वामी	केतु
3	चरण	3
शुक्ल	योग	वरियान
बालव	करण	बालव
ते-तेजवन्त	जन्म नामाक्षर	चो-चोखी
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	चतुष्पाद
व्याघ्र	योनि	अश्व
राक्षस	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	सिंह

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 6वर्ष 0मा 7दि		15:35:14	कर्क	लग्न	वृश्चि	17:07:01	केतु 3वर्ष 0मा 1दि	
शनि		19:14:37	कर्क	सूर्य	वृश्चि	18:34:32	शुक्र	
13/08/2009		28:18:55	तुला	चंद्र	मेष	07:36:40	06/12/2006	
13/08/2028		15:50:29	कुंभ व	मंगल	कुंभ	29:36:22	06/12/2026	
शनि	16/08/2012	15:04:31	सिंह	बुध	धनु	08:52:15	शुक्र	07/04/2010
बुध	26/04/2015	01:26:36	सिंह	गुरु	सिंह	23:36:06	सूर्य	07/04/2011
केतु	04/06/2016	15:43:38	कर्क	शुक्र	धनु	16:02:24	चन्द्र	06/12/2012
शुक्र	04/08/2019	14:02:21	मिथु	शनि व	मिथु	17:55:02	मंगल	05/02/2014
सूर्य	16/07/2020	02:21:01	वृष	राहु	मेष	26:31:05	राहु	04/02/2017
चन्द्र	15/02/2022	02:21:01	वृश्चि	केतु	तुला	26:31:05	गुरु	06/10/2019
मंगल	27/03/2023	07:39:14	कुंभ व	हर्ष	कुंभ	05:17:10	शनि	06/12/2022
राहु	31/01/2026	17:50:43	मक व	नेप	मक	17:00:21	बुध	06/10/2025
गुरु	13/08/2028	23:28:16	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	25:34:35	केतु	06/12/2026

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:54:13 चित्रपक्षीय अयनांश 23:54:29

लग्न-चलित

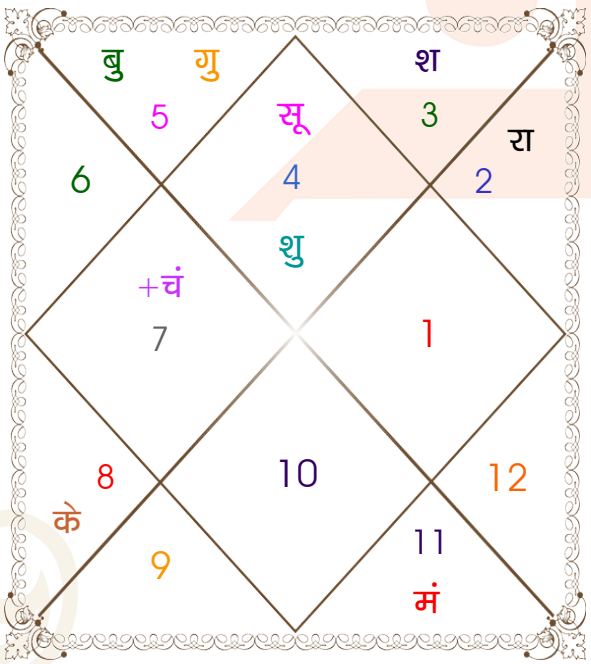

लग्न-चलित

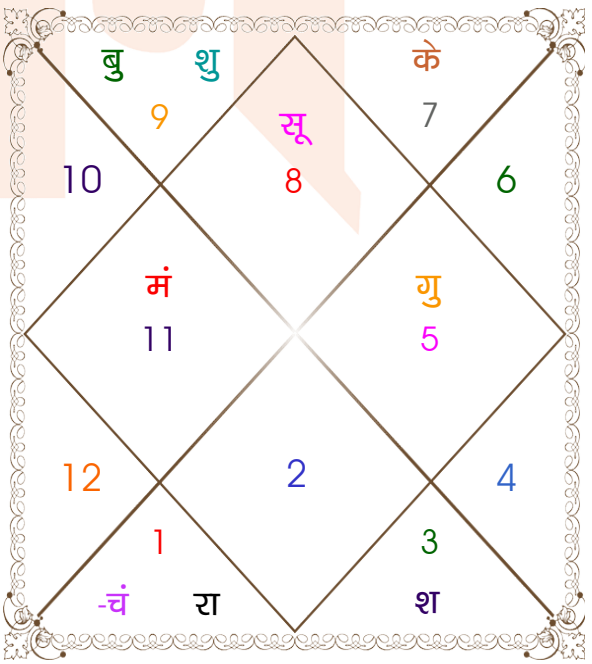

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	अश्व	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

कुल : **22.5 / 36**

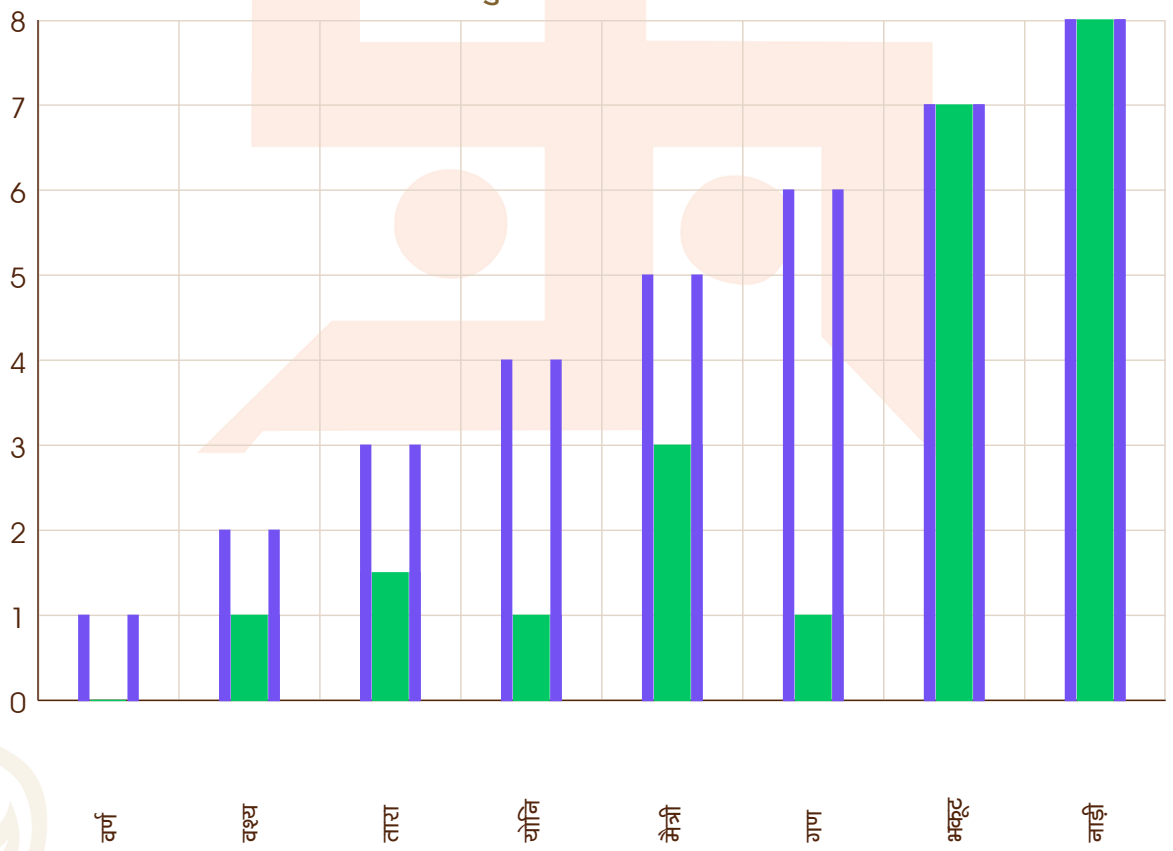

अष्टकूट मिलान

nihil का वर्ग सर्प है तथा shilpa का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार nihil और shilpa का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

nihil मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल nihil कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

shilpa मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि shilpa कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु shilpa कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु nihil कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

nihil तथा shilpa में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

nihil का वर्ण शूद्र है तथा shilpa का वर्ण क्षत्रिय है। इसमें shilpa का वर्ण nihil के वर्ण से नीचा नहीं है अतः यह मिलान उत्तम मिलान नहीं है। जिसके कारण shilpa अति वर्चस्वशाली होगी तथा सिर्फ आज्ञा देने वाली होगी। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं तर्क-वितर्क का दौर चलता रह सकता है तथा दोनों के बीच कभी-कभी मार-पीट भी हो सकती है। shilpa का आक्रामक व्यवहार परिवार के सभी सदस्यों का जीना दूभर कर सकता है। परिवार में सुख-शान्ति की स्थापना के लिए nihil को उसकी हर बात माननी होगी तथा गुलाम की भाँति रहना पड़ेगा।

वश्य

nihil का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं shilpa का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप nihil एवं shilpa दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। shilpa अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में nihil अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

nihil की तारा वध तथा shilpa की तारा क्षेम है। nihil की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। nihil बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। nihil को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु shilpa लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

nihil की योनि व्याघ्र है तथा shilpa की योनि अश्व है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि

होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में nihil एवं shilpa दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

nihil का गण राक्षस तथा shilpa का गण देव है। अर्थात shilpa का गण nihil के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण nihil निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही nihil का shilpa के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। shilpa हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

nihil एवं shilpa की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा nihil व shilpa को शांति, सुख, सौभाग्य, समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

nihil की नाड़ी अन्त्य है तथा shilpa की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। nihil की अन्त्य नाड़ी तथा shilpa की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

nihil की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा shilpa की राशि अग्नि तत्व युक्त मेष राशि है। वायु एवं अग्नि की परस्पर मित्रता के कारण nihil और shilpa के मध्य स्वभावगत समानताएं रहेंगी तथा दाम्पत्य संबधों में भी मधुरता होगी जिससे इनका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। अतः मिलान शुभ रहेगा।

nihil की राशि का स्वामी शुक्र तथा shilpa की राशि का स्वामी मंगल परस्पर समराशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से nihil और shilpa का गृहस्थ सुख अच्छा रहेगा। साथ ही एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सहयोग एवं समर्पण का होगा। ये सदगुणों की आपस में प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे परस्पर संबधों की मधुरता में वृद्धि होगी परन्तु यदा कदा आपस में उदासीनता के भाव का भी प्रदर्शन करेंगे लेकिन इसका सुखी वैवाहिक जीवन पर कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा।

nihil और shilpa की राशियां परस्पर सप्तम से सप्तम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना गया है। इसके प्रभाव से परस्पर संबधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर होंगे। एक दूसरे के आस्तित्व का ये पूर्ण सम्मान करेंगे तथा समानता के सिद्धांतो पर ही व्यवहार भी करेंगे जिससे वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

nihil का वश्य मानव तथा shilpa का वश्य चतुष्पद है। नैसर्गिक रूप से मानव तथा चतुष्पद में असमानता तथा शत्रुता का भाव विद्यमान रहता है। अतः इसके प्रभाव से nihil और shilpa की अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता रहेगी फलतः दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

nihil का वर्ण शूद्र तथा shilpa का वर्ण क्षत्रिय है। अतः इनकी कार्य क्षमताओं में असमानता होगी । nihil की प्रवृति किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम पूर्वक करने की रहेगी तथा shilpa साहसिक तथा पराक्रमी कार्यो को करने में रूचिशील होंगी।

धन

nihil और shilpa दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

nihil अन्त्य तथा shilpa आद्य नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः विभिन्न नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे जिससे गंभीर शारीरिक समस्या उत्पन्न नहीं होगी परन्तु मंगल का nihil और shilpa दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से shilpa गुप्त या धातु संबंधी रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगी। साथ ही nihil को हृदय रोग संबंधी परेशानियां होगी एवं संभोग शक्ति में शिथिलता की अनुभूति करेंगे जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता की अनुभूति होगी। अतः इन दुष्प्रभावों में कमी करने के लिए nihil और shilpa दोनों को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति की दृष्टि से nihil और shilpa का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से nihil और shilpa को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त nihil और shilpa के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

shilpa का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः shilpa के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार shilpa सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा nihil और shilpa को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार nihil और shilpa का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

shilpa के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद shilpa अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से shilpa पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि shilpa अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

nihil के सास के साथ सामान्यतया अच्छे ही संबध रहेंगे तथा उनके प्रति इनके मन में सम्मान तथा आदर का भाव सर्वदा विद्यमान रहेगा। सास को वह माता के समान समझेंगे तथा वह भी उन्हें पुत्रवत स्नेह तथा सहयोग प्रदान करेंगी । साथ ही nihil भी समय समय पर ससुराल में आते जाते रहेंगे तथा आपस में श्रेष्ठता के भाव की हमेशा न्यूनता रहेगी।

लेकिन ससुर के साथ में सामान्यतया संबधों में तनाव रहेगा तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण वैचारिक मतभेद भी रहेंगे परन्तु यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति का अनुपालन करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी nihil के संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की न्यूनता रहेगी एवं प्रतिद्वन्दिता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण nihil के प्रति विशेष उल्लेखनीय नहीं रहेगा।